सामाजिक विज्ञान

पृथ्वी — हमारा आवास

कक्षा 6 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक

© NCERT not to be republished

इस पुस्तक में प्रयोग किए गए निम्नलिखित बिंदु भारत के सभी मानचित्रों के लिए लागू हैं :

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 2006

1. आंतरिक विवरणों को सही दर्शाने का दायित्व प्रकाशक का है।
2. समुद्र में भारत का जलप्रदेश, उपयुक्त आधार-रेखा से मापे गए बारह समुद्री मील की दूरी तक है।
3. चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के प्रशासी मुख्यालय चंडीगढ़ में हैं।
4. इस मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के मध्य में दर्शायी गयी अंतर्राज्यीय सीमायें, उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 के निर्वाचनानुसार दर्शित हैं, परन्तु अभी सत्यापित होनी हैं।
5. भारत की बाह्य सीमायें तथा समुद्र तटीय रेखायें भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रधान प्रति से मेल खाती हैं।
6. इस मानचित्र में उत्तरांचल एवं उत्तर प्रदेश, झारखंड एवं बिहार और छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के बीच की राज्य सीमायें संबंधित सरकारों द्वारा सत्यापित नहीं की गयी हैं।
7. इस मानचित्र में दर्शित नामों का अक्षरविन्यास विभिन्न सूत्रों द्वारा प्राप्त किया है।

© NCERT
not to be republished

सामाजिक विज्ञान

पृथ्वी — हमारा आवास

कक्षा 6 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक

© NCERT
not to be republished

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण

मार्च 2006 फाल्गुन 1927

पुनर्मुद्रण

दिसम्बर 2006 पौष 1928
नवंबर 2007 कार्तिक 1929
फरवरी 2009 माघ 1930
जनवरी 2010 माघ 1931
नवंबर 2010 कार्तिक 1932
मार्च 2012 फाल्गुन 1933
नवंबर 2013 अग्रहायण 1935
नवंबर 2014 अग्रहायण 1936
दिसंबर 2015 अग्रहायण 1937
दिसंबर 2016 अग्रहायण 1938
दिसंबर 2017 अग्रहायण 1939
फरवरी 2019 माघ 1940
अगस्त 2019 भाद्रपद 1941

PD 80T RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2006

₹ 55.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा गोसपेल प्रैस, सी.ए.-2 से सी.ए.-6, एंसिलरी इस्टेट, नदरगंज अमौसी, लखनऊ - 226 008 (उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।

ISBN 81-7450-534-2

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन सी ई आर टी के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108ए 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *एम. सिराज अनवर*
मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी : *अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक : *बिबाष कुमार दास*
संपादक : *नरेश यादव*
उत्पादन सहायक : *ओम प्रकाश*

आवरण
सरिता वर्मा माथुर

चित्रांकन एवं कार्टोग्राफी
सरिता वर्मा माथुर, मेहा गुप्ता, ईश्वर सिंह प्रवीन मिश्रा तथा नरेन्द्र त्यागी

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाये हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास हैं। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नये ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है जितना वार्षिक कैलेण्डर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति के अध्यक्ष, प्रोफ़ेसर हरि वासुदेवन और इस पाठ्यपुस्तक समिति की मुख्य सलाहकार विभा पार्थसारथी की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक

© NCERT not to be republished

सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली
20 दिसंबर 2005

© NCERT
not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

मुख्य सलाहकार

विभा पार्थसारथी, *प्रिंसिपल (अवकाश प्राप्त)*, सरदार पटेल विद्यालय, नयी दिल्ली

सदस्य

अंजली स्वामी, *टी.जी.टी.*, एन. सी. जिंदल पब्लिक स्कूल, नयी दिल्ली

अंशु, *रीडर*, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

दुर्गा सिंह, *पी.जी.टी.*, केंद्रीय विद्यालय नं.2, अहमदाबाद

शहला मुजीब, *पी.जी.टी.*, राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय, हरिनगर आश्रम, नयी दिल्ली

हिंदी अनुवाद

स्पेक्ट्रम कम्युनिकेशंस, नयी दिल्ली

सदस्य-समन्वयक

अपर्णा पाण्डेय, *लेक्चरर*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में महत्त्वपूर्ण सहयोग देने हेतु सुदेशना भट्टाचार्य, *रीडर*, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; पुनम बिहारी, *रीडर*, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; व्यासराज टी. आंबेकर, *(इंचार्ज हेडमास्टर)*, एस.वी.एम. माध्यमिक विद्यालय, तिलकवाडी, बेलगाम; सीमा अग्निहोत्री, *लेक्चरर*, मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, आई.पी. विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली; दौलत पटेल, *अध्यापिका (अवकाश प्राप्त)*, सरदार पटेल विद्यालय, नयी दिल्ली; समिता दासगुप्ता, *पी.जी.टी.*, आनंदालय, आनंद, गुजरात का आभार व्यक्त करती है।

परिषद् वीर सिंह आर्य, *प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी (अवकाश प्राप्त)*, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार तथा शंकर शरण, *लेक्चरर*, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. का भी आभार व्यक्त करती है जिन्होंने अनुवाद के पुनरीक्षण हेतु अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

परिषद् भारतीय सर्वेक्षण विभाग को भी धन्यवाद देती है जिसने पाठ्यपुस्तक में प्रकाशित मानचित्रों को प्रमाणित किया। परिषद् निम्न सभी व्यक्तियों एवं संगठनों का आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक को सहज बनाने हेतु विभिन्न फोटोग्राफ एवं अन्य पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाई : एम.एच. कुरैशी, *प्रोफ़ेसर*, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (चित्र 9 पृष्ठ संख्या 47); प्रवीन मिश्रा (चित्र 8.3); साइंस पोपुलेराइज़ेशन ऐसोसिएशन ऑफ कम्युनिकेशंस एंड ऐजुकेटर्स (स्पेस), नयी दिल्ली (चित्र 1.6); फोटो प्रभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार (कृषि भूमि - आवरण पृष्ठ); पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार (चित्र 8.1 और 8.5), (स्टोर्क-प्रवासी पक्षी पृष्ठ संख्या 66); आई.टी.डी.सी./पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार (चित्र 5.5, 6.5, 6.6 और 6.7), (फोटो संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 10 पृष्ठ संख्या 46 और 47 पर), (बाघ का चित्र - आवरण पृष्ठ और पृष्ठ संख्या 65 पर), (हिमालय- आवरण पृष्ठ और पृष्ठ संख्या 31 और 42), (चित्र 8.7), (पृष्ठ संख्या 41 पर प्रपात), (पृष्ठ संख्या 44 पर स्कीइंग), (पृष्ठ संख्या 58 पर मृग); द टाइम्स ऑफ इंडिया, नयी दिल्ली (चित्र 8.4), (पृष्ठ संख्या 65 पर बाघ परियोजना पर कोलाज); प्रकाश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोडाकदेव, अहमदाबाद (पृष्ठ संख्या 54 और 55 पर सुनामी से संबंधित कविता और पेंटिंग); सामाजिक विज्ञान, भाग-2, कक्षा-6, एन.सी.ई.आर.टी., 2005 (चित्र 1.3); सामाजिक विज्ञान, भाग-2, कक्षा-8, एन.सी.ई.आर.टी., 2005 (चित्र 6.8 और 8.2)।

परिषद्, सविता सिन्हा, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष*, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग के प्रति भी अपनी कृतज्ञता अर्पित करती है, जिन्होंने प्रत्येक स्तर पर इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

परिषद् इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में सहयोग के लिए विशेष रूप से पूर्वा कुशवाहा, *सलाहकार संपादक* का भी आभार व्यक्त करती है।

परिषद् पाठ्यपुस्तक के निर्माण में सहयोग के लिए गीता एवं ईश्वर सिंह, *डी.टी.पी. ऑपरेटर*; आनन्द बिहारी वर्मा, *प्रूफ रीडर*; दिनेश कुमार, *कंप्यूटर स्टेशन प्रभारी* के सहयोग हेतु अपना हार्दिक आभार ज्ञापित करती है। इसी संदर्भ में प्रकाशन विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. का सहयोग भी उल्लेखनीय है।
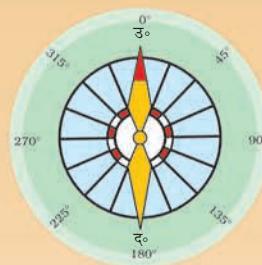
© NCERT not to be republished

विषय-सूची

© NCERT not to be republished
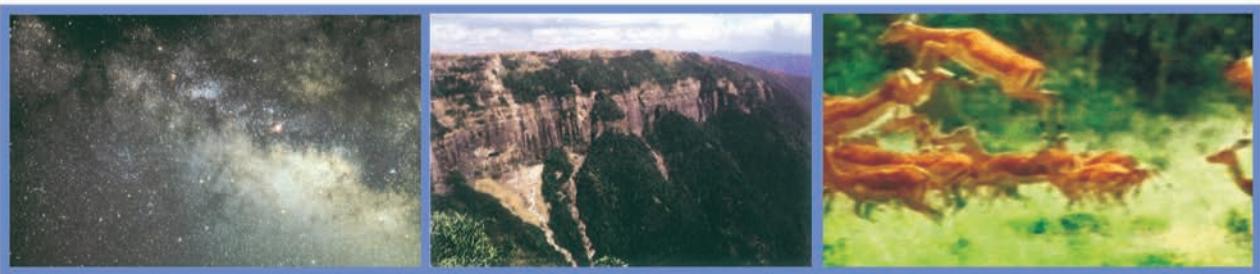
भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय**,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता**,

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

© NCERT not to be republished